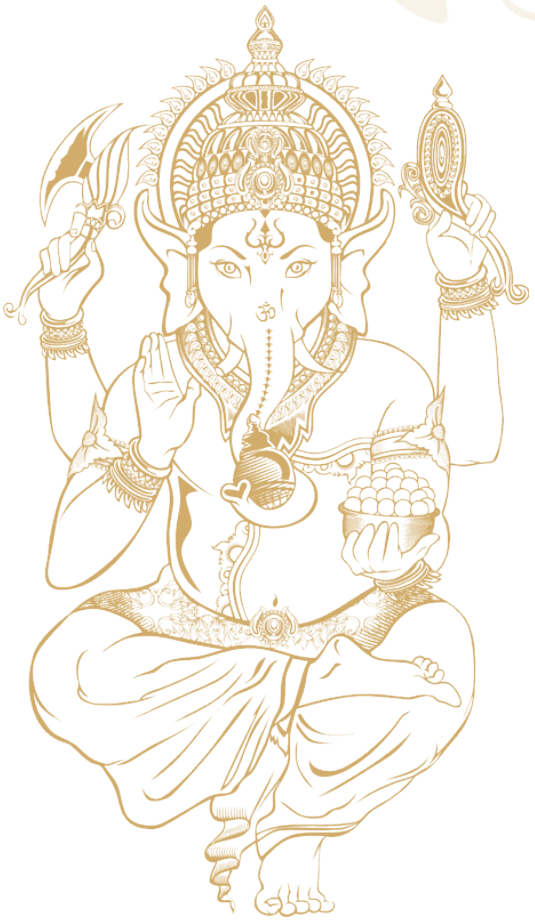

28 Jan 2026

09:30 PM

Jammu

Model: web-freekundliweb

Order No: 121207604

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**28/01/2026**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**21:30:00 घंटे**
इष्ट	35:04:36 घटी
स्थान	**Jammu**
राज्य	Jammu and Kashmi
देश	India

अक्षांश	32:42:00 उत्तर
रेखांश	74:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:30:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:59:28 घंटे
वेलान्तर	-00:12:54 घंटे
साम्पातिक काल	05:31:11 घंटे
सूर्योदय	07:28:09 घंटे
सूर्यास्त	17:59:10 घंटे
दिनमान	10:31:01 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	14:31:03 मकर
लग्न के अंश	29:38:19 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 3**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	ब्रह्म
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वी-वीरसिंह
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	29:38:19	307:32:25	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	राहु	---
सूर्य			मक	14:31:03	01:00:57	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			वृष	17:15:55	14:30:04	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	मूलत्रिकोण
मंगल		अ	मक	09:53:52	00:46:53	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	उच्च राशि
बुध		अ	मक	19:23:46	01:44:40	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	सम राशि
गुरु	व		मिथु	23:31:11	00:07:04	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मक	19:46:15	01:15:20	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	केतु	मित्र राशि
शनि			मीन	04:05:42	00:05:42	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु	व		कुंभ	15:07:14	00:03:25	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	15:07:14	00:03:25	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:15:16	00:00:20	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:49:36	00:01:34	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:22:03	00:01:55	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			वृष	29:09:51	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:24

लग्न-चलित

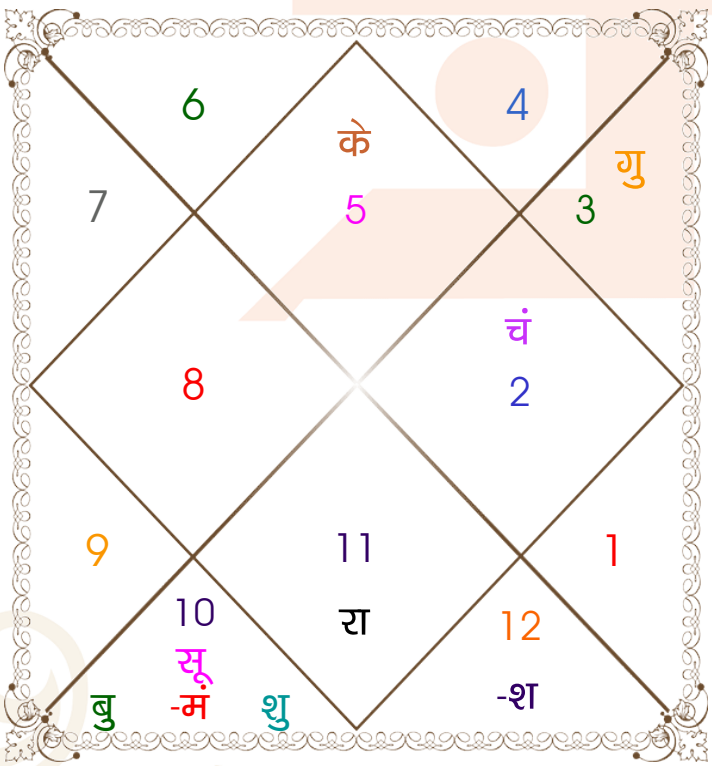

चन्द्र कुंडली

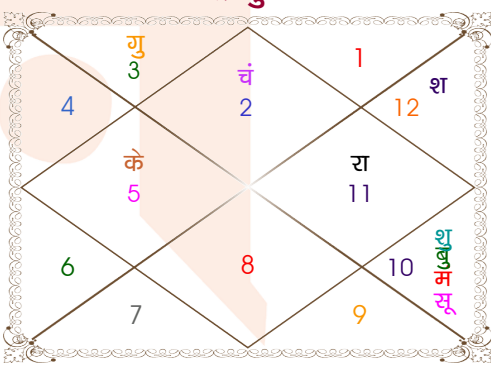

नवमांश कुंडली

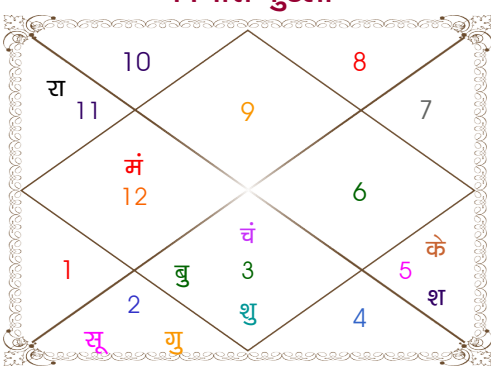

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 4 वर्ष 6 मास 18 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
28/01/2026		18/08/2030		17/08/2037		18/08/2055		18/08/2071	
18/08/2030		17/08/2037		18/08/2055		18/08/2071		18/08/2090	
	00/00/0000	मंगल	14/01/2031	राहु	30/04/2040	गुरु	05/10/2057	शनि	21/08/2074
	00/00/0000	राहु	01/02/2032	गुरु	23/09/2042	शनि	17/04/2060	बुध	30/04/2077
	00/00/0000	गुरु	07/01/2033	शनि	30/07/2045	बुध	24/07/2062	केतु	09/06/2078
	28/01/2026	शनि	16/02/2034	बुध	17/02/2048	केतु	30/06/2063	शुक्र	08/08/2081
शनि	18/06/2026	बुध	13/02/2035	केतु	06/03/2049	शुक्र	28/02/2066	सूर्य	21/07/2082
बुध	17/11/2027	केतु	12/07/2035	शुक्र	06/03/2052	सूर्य	17/12/2066	चंद्र	20/02/2084
केतु	17/06/2028	शुक्र	10/09/2036	सूर्य	28/01/2053	चंद्र	17/04/2068	मंगल	30/03/2085
शुक्र	16/02/2030	सूर्य	16/01/2037	चंद्र	30/07/2054	मंगल	24/03/2069	राहु	04/02/2088
सूर्य	18/08/2030	चंद्र	17/08/2037	मंगल	18/08/2055	राहु	18/08/2071	गुरु	18/08/2090

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
18/08/2090		19/08/2107		19/08/2114		19/08/2134		18/08/2140	
19/08/2107		19/08/2114		19/08/2134		18/08/2140		00/00/0000	
बुध	13/01/2093	केतु	15/01/2108	शुक्र	18/12/2117	सूर्य	06/12/2134	चंद्र	19/06/2141
केतु	10/01/2094	शुक्र	16/03/2109	सूर्य	18/12/2118	चंद्र	07/06/2135	मंगल	18/01/2142
शुक्र	10/11/2096	सूर्य	22/07/2109	चंद्र	18/08/2120	मंगल	13/10/2135	राहु	19/07/2143
सूर्य	17/09/2097	चंद्र	20/02/2110	मंगल	18/10/2121	राहु	05/09/2136	गुरु	17/11/2144
चंद्र	16/02/2099	मंगल	19/07/2110	राहु	18/10/2124	गुरु	25/06/2137	शनि	29/01/2146
मंगल	13/02/2100	राहु	07/08/2111	गुरु	19/06/2127	शनि	07/06/2138		00/00/0000
राहु	03/09/2102	गुरु	13/07/2112	शनि	19/08/2130	बुध	13/04/2139		00/00/0000
गुरु	09/12/2104	शनि	21/08/2113	बुध	19/06/2133	केतु	19/08/2139		00/00/0000
शनि	19/08/2107	बुध	19/08/2114	केतु	19/08/2134	शुक्र	18/08/2140		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 4 वर्ष 6 मा 15 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर धनु राशि का नवमांश एवं मेष राशीय द्रेष्काण का भी उदय काल था। सिंह राशीय लग्नाकृति स्वरूप से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आपको स्वच्छंदता पूर्वक आनंदप्रद प्रसन्नचित उत्तम जीवन व्यतीत करने का सुअवसर प्राप्त होगा।

आप शारीरिक रूप से हृष्ट, पुष्ट, मजबूत, मधुर भाषी होंगे। जिसके प्रभाव से सभी लोग आपको बहुत पसन्द करेंगे तथा आपसे संबंधित रहेंगे। आप अपने से संबंधित व्यक्तियों से लाभांवित रहेंगे। आपकी आखें विपरीत योनि के व्यक्तियों के दर्शन हेतु ललायित रहेगी। नारी सौन्दर्य आपको रूचिकर लगेगी। आप अपनी पत्नी को प्यार नहीं करेंगे। परन्तु अनुकूल अवसर प्राप्त कर इसे अच्छा मौका समझ कर अन्य को अपने विचारों में ग्रहण कर लेंगे।

आपका पारिवारिक जीवन निश्चित रूप से उत्तम रहेगा। आपके निकटतम सम्पर्क एवं प्रिय जन अर्थात् सगे संबंधी लोग न केवल आपके प्रति श्रद्धावान रहेंगे बल्कि आपकी प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि हेतु पूर्ण समर्पित रहेंगे। फलस्वरूप आप अतिरिक्त समय निकालकर निश्चित रूपेण इन लोगों से मिलने का प्रयास करेंगे।

आप अपने ढंग से अपना जीवन निर्वाह करेंगे। आप अपने अभ्युदय एवं उत्तम लाभ हेतु अपने ज्ञान का विकास कर सकते है। आपके लिए उपयुक्त कार्य व्यवसाय हेतु प्रशासनिक सेवा सम्पादन कारिता, संचार माध्यम एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय उत्तम प्रतीत होता है। लेकिन आपके लिए सर्वथा चमत्कारिक व्यवसाय वाणिज्य कार्य, लेखाकार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य उत्तम रहेगा।

आप जन्म प्रभाव से ही आदेश का सम्मान करेंगे। आपके अधीनस्थ सहायक आपके प्रति श्रद्धावान रह कर आपकी प्रशंसा करेंगे तथा आपके निर्देशन के अनुसार वे आपको देखेंगे।

कठिन श्रमयुक्त आपकी महत्वकांक्षा यदा-कदा कृतघ्नता युक्त हो जाती है तो आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति हेतु अपनी गति में तीव्रता लाते हैं। आप सदैव अपने कार्य की पूर्णाहुति हेतु तत्पर रहते हैं तथा सम्पादित कार्य को पूर्ति लेने के साथ-साथ अन्य कार्य के प्रारम्भ करने की प्रक्रिया पूरी कर लेंगे। आपमें आश्चर्यजनक पर्यवेक्षण की प्रतिच्छाया विद्यमान रहती है। परिणामस्वरूप आप अपने प्रशासनिक सीढ़ी के सहारे अपने कार्यस्थल पर सफलता की ओर अग्रसर हो सकते है।

आप स्वाभाविक रूप से धनोपार्जन करेंगे परन्तु इस धन की सुरक्षा किस प्रकार की जाय तथा किस प्रकार सुरक्षित रखा जाय, यह बिंदु विचारणीय है। क्योंकि आप मात्र उदार हृदय के ही नहीं है बल्कि आप आनन्द पूर्ण सुअवसर पर सम्पूर्ण खर्च का भार अपने ऊपर ले लेते हो तथा सदैव अपने लिए तथा अपने परिवार के लिए व्यय करेंगे। आप सदैव ही जनसाधारण के मध्य अपनी छवि को प्रदर्शित करने के लिए सजग रहेंगे। आप अपने आवासीय रख-रखाव एवं

आधुनिक साज शय्या को अपने यहां आगंतुकों की दृष्टि में प्रभावशाली प्रस्तुती हेतु सजग रहेंगे। ताकि आपका प्रभाव उत्तम दृश्य हो।

आपका स्वास्थ्य आवश्यकता के अनुरूप जैसा चाहिए वैसा नहीं रहेगा। लेकिन आपकी बहुमुखी कार्यकलाप के कारण संभव है कि आपका शरीरिक ह्रास हो जाय तथा आप पीठ के रोग, पाचन क्रिया की गड़बड़ी, एवं रक्तचाप संबंधी रोग से आक्रांत हो जाएं। अतः आप सीमा के अन्तर्गत ही सभी कार्य सम्पादन करें तथा सन्तोषजनक विश्राम ग्रहण करें। आप स्वयं चटपटी और मसालेदार भोजन एवं मध्यपान का परित्याग कर दें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। परन्तु आपको शुक्रवार एवं शनिवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये दोनों दिन आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित अनुपयुक्त है।

आपके लिए भाग्यवर्द्धक रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। परन्तु रंग नीला, काला एवं सफेद रंग आपके लिए त्याज्य है।